पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सत्र

आइआइएम के प्रयास से बदलेगी गांव की सूरत

संस्थान जनप्रतिनिधियों और पंचायत कर्मियों को देगा प्रशिक्षण, गांवों का होगा सतत विकास, मिलेंगी सुविधाएं

कुमार गौरव • जागरण

रांची : आइआइएम रांची और पंचायती राज निदेशालय की सुखद पहल सामने आई है। ग्रामीण क्षेत्रों के जनप्रतिनिधि आइआइएम से प्रबंधन व्यवस्था का अनुभव और प्रशिक्षण प्राप्त कर पंचायतों की सूरत बदलेंगे। पहले चरण में 11 जिलों के 46 प्रखंड प्रमुख और उप-प्रमुख को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

जिसका असर आगामी दिनों पंचायतों में देखने को मिलेगा। राज्य सरकार ने प्रत्येक जिले के गांवों को विकसित करने के उद्देश्य से दिशा निर्देश जारी किया है। सभी पंचायत माडल पंचायत बने इसके लिए हरेक स्तर के कर्मियों को भी प्रशिक्षित किए जाने की योजना है। कर्मियों को दूसरे चरण में आइआइएम रांची में प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले चरण में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें संसाधक के तौर पर पेयजल, स्वच्छता एवं पोषण विशेषज्ञ, राज्य पंचायत संसाधन केंद्र और राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, राज्य पंचायत संसाधन केंद्र शामिल रहे। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार प्रत्येक जिले के गांव को विकसित करने का लक्ष्य तय किया है। सभी पंचायत माडल पंचायत बने, इसके लिए प्रत्येक स्तर के कर्मी को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रखंड प्रमुख व उप-प्रमुख आइआइएम रांची से मिले प्रशिक्षण और सीख को अनुभव के आधार पर अपने क्षेत्र में अमल करेंगे ताकि क्षेत्र का विकास अपेक्षा अनुरूप हो।

प्रो. दीपक श्रीवास्तव, निदेशक, आइआइएम रांची • जागरण

- राज्य सरकार ने प्रत्येक जिले के गांव को विकसित करने का लक्ष्य किया तय, बहुत जल्द दिखेगा विकास कार्य
- सभी पंचायत माडल पंचायत बने, इसके लिए प्रत्येक स्तर के प्रतिनिधियों व कर्मचारियों को किया जा रहा प्रशिक्षित

आइआइएम रांची में प्रशिक्षण प्राप्त करते जनप्रतिनिधि • जागरण

ग्रामीण विकास के लिए ग्राम प्रधानों के बीच वैश्विक दृष्टिकोण अपनाए जाने की आवश्यकता है। आदिवासी क्षेत्रों में स्वरोजगार की सबसे अधिक संभावना है, जिसे अनुभव-आधारित ज्ञान के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पहुंचाया जा सकता है। ग्राम प्रधानों को बदलते समय की चुनौतियों और अवसरों से भी रू-ब-रू होना पड़ेगा और अपने-अपने क्षेत्रों में बहुआयामी और रोजगारोन्मुखी शिक्षा, तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देना होगा।

- प्रो. दीपक श्रीवास्तव, निदेशक, आइआइएम रांची।

प्रतिभागियों को ये मिली जानकारी

- प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने सीमित संसाधनों से स्थानीय समस्याओं को हल करने की प्रक्रिया
- पंचायत स्तर पर सामूहिक प्रयास से रोजगार विकसित करने के माध्यम
- डिजिटल तकनीक को सूचना तंत्र के साथ समस्या समाधान करने की प्रणाली
- ग्राम विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक रणनीति एवं प्रक्रिया
- पंचायत में मौजूद भवनों की उपयोगिता
- ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य-पोषण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के कारगर उपाय समेत सरकारी बजट का सही इस्तेमाल करने की पद्धति को जाना।

विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों से जाना अनुभव : प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने न सिर्फ प्रशिक्षण दिया बल्कि उनके अनुभव भी जाने। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण सत्र को व्यवस्थित और क्षेत्र के लिए उपयोगी बताया। साथ ही बदलते दौर के साथ उभरी तकनीकी जानकारियों से प्रेरित करने के लिए आइआइएम रांची का धन्यवाद किया। वहीं, प्रतिभागियों को अपने सीखे हुए अनुभवों को स्थानीय शासन को सशक्त बनाने और ग्रामीण विकास की गति तेज करने में उपयोग करने के टिप्स दिए गए। प्रतिभागियों ने बताया कि लगातार हो रही तकनीकी उन्नति ने उनके समक्ष चुनौती भी पसार दी है। जिस कारण कभी कभार परेशानी का सामना करना पड़ता है। तकनीकी जानकारी मिलने से अब पंचायत स्तर के कार्यों का निष्पादन सही तरीके से होने के संकेत दिए।

Dainik Jagran_22.10.2025_P.03

आइआइएम में प्रखंड प्रमुखों को मिली ट्रेनिंग

जासं, रांची: आइआइएम रांची में पंचायती राज निदेशालय के सहयोग से पांच दिनों तक आवासीय प्रशिक्षण सत्र चला। इसमें राज्य के 11 जिलों के 46 प्रखंड प्रमुख और उपप्रमुखों ने भाग लिया। उन्हें राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत प्रशिक्षित किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि सलोनी सिंह पाहवा, पेयजल, स्वच्छता एवं पोषण विशेष व सौरव बाग, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक थे। सलोनी सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक जिले के गांवों का विकास करना है। सभी पंचायतों को मॉडल पंचायत बनाने के लिए कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रखंड प्रमुखों को आइआइएम रांची से मिली जानकारी को अपने क्षेत्र में लागू करने की सलाह दी गई। डीन कार्यकारी शिक्षा एवं परामर्श (ईईसी) प्रो. अमित सचान ने प्रतिभागियों से उनके अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को व्यवस्थित और उपयोगी बताया।

Dainik Jagran_17.10.2025_P. 8

प्रभात खबर

आइआइएम रांची : प्रखंड प्रमुख अनुभव और प्रशिक्षण से बदलेंगे गांव की सूरत

- आइआइएम रांची व पंचायती राज निदेशालय की ओर से आयोजित प्रशिक्षण संपन्न

रांची. आइआइएम रांची में मंगलवार को पंचायती राज निदेशालय के सहयोग से चल रहे पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सत्र का समापन हुआ. प्रशिक्षण सत्र में राज्य के 11 जिलों के 46 प्रखंड प्रमुख व उपप्रमुख शामिल हुए, जिन्हें राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत प्रशिक्षित किया गया. समापन सत्र में पेयजल, स्वच्छता एवं पोषण विशेषज्ञ, राज्य पंचायत संसाधन केंद्र सलोनी सिंह पाहवा, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, राज्य पंचायत संसाधन केंद्र सौरव बाग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. सलोनी सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक जिला के गांव को विकसित करने का लक्ष्य तय किया है. सभी पंचायत मॉडल पंचायत बने, इसके लिये प्रत्येक स्तर के कर्मी को प्रशिक्षित किया जा रहा है. प्रखंड प्रमुख व उप प्रमुख प्रशिषण में सीखों बातों को अपने क्षेत्र में अमल करें. मौके पर डीन कार्यकारी शिक्षा एवं परामर्श (इइसी) प्रो अमित सचान, कार्यक्रम निदेशक प्रो श्वेता झा आदि थे.

Prabhat Khabar_15.10.2025_P. 8